>

Title: Issue regarding gang-rape of a photo journalist in Mumbai.

श्री गोपीनाथ मुंडे (बीड): स्पीकर महोदया, मैं आपका आभारी हूं, 22 तारीख को मुम्बई शहर में महिला जर्नलिस्ट अपने असाइनमैन्ट पर गई थी, उसके साथ एक अन्य सहयोगी भी था। उस महिला जर्नलिस्ट पर चार लोगों ने रेप किया और आज जसलोक हास्पिटल में उसका इलाज हो रहा है। ...(व्यवधान) उसमें से एक या दो लोग पकड़े गये हैं। ...(व्यवधान) हमारी मांग है कि इसके लिए सरकार बयान दे। इन लोगों को तो पकड़ लिया गया। लेकिन पुणे जिले के दौंड में एक छोटी बच्ची स्कूल में पढ़ने के लिए पैदल जाती थी, उस पर बलात्कार किया और उसकी हत्या कर दी। लेकिन उसका कोई हत्यारा अभी तक पकड़ा नहीं गया है। बीती रात ही उसे नेवी में अपाइंटमैन्ट मिला था, रेलवे स्टेशन पर उसके चेहरे पर पर तेजाब फेंका गया, जिसके कारण उसकी मौत हो गई। गत वर्ष एक आईएएस ऑफिसर की बेटी ऊंचे टावर में रहती थी, उस पर अत्याचार हुआ, उसकी भी हत्या हुई। मैं आपको कितनी घटनाएं बताऊं और आप बोल रहे हो कि एक को पकड़ा तो सब कुछ ठीक हो गया।...(व्यवधान) निर्भया के बाद मुम्बई और विशेषतः महाराष्ट्र में कानून और व्यवस्था की स्थिति बिगड़ चुकी है। केंद्र सरकार ने गत साल जो रिपोर्ट प्रकाशित की है, उसमें सबसे ज्यादा अन्याय और अत्याचार महाराष्ट्र में हो रहे हैं। बीते एक महीने में ऐसी चार घटनाएं हुई हैं। ...(व्यवधान) मैं आपसे अपील करता हूँ कि महाराष्ट्र में गिरती एवं बिगड़ती हुई लॉ एण्ड ऑर्डर की स्थिति के लिए केंद्र सरकार रिपोर्ट मंगाए और केंद्रीय मंत्री भी इस सदन में इसके बारे में बयान दें।

महोदया, निर्भया फण्ड बनाया गया था। महिलाओं के प्रति अन्याय और अत्याचार के खिलाफ सारी संसद जाग उठी थी। सारा देश जाग उठा था और यहां संकल्प किया गया था कि निर्भया जैसे और किसी को यह सहना न पड़े। लेकिन क्या हो रहा है? उसके बाद महिलाओं पर अन्याय और अत्याचार कम नहीं हुए हैं, बल्कि बढ़ते जा रहे हैं। सरकार ने निर्भया फण्ड में एक हज़ार करोड़ रूपये की राशि देने की घोषणा की थी। एक साल हो गया है, लेकिन निर्भया फण्ड में एक रूपया भी जमा नहीं है। संसद ने जो वादा किया, क्या वह वादा आपने नहीं निभाया? इसके बारे में क्या सच्चाई है? सदन वह भी जानना चाहता है। मैं आपसे अपेक्षा करता हूँ, इनसे अपेक्षा नहीं करता हूँ। आपसे अपेक्षा करता हूँ कि निर्भया फण्ड के बारे में और महाराष्ट्र में महिलाओं के प्रति बढ़ते अन्याय और अत्याचार के बारे में केंद्र सरकार इस सदन में बयान दे और इस पर सदन में भी चर्चा हो। यह मेरी मांग है। आपसे अपेक्षा है कि आप इसके बारे में निर्देश दें।

अध्यक्ष महोदया :

श्री शिवकुमार उदासी,

श्री वीरेन्द्र कश्यप,

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण,

श्री पी.के.िबजू,

श्री एम.बी.राजेश,

श्री प्रहलाद जोशी,

श्री शिवराम गौड़डा एवं

श्रीमती हरसिमरत कौर बादल स्वयं को गोपीनाथ मुंडे जी के विषय के साथ संबद्ध करते हैं।

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Prof. Roy, you may associate yourself with this issue.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Do not disturb. It is going on so-well, do not disturb.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: Nothing else will go on record.

*(Interruptions) â€¦ **

अध्यक्ष महोदया : आप लोग ऐसे मत कीजिए। क्या अब बारी-बारी से हरेक पूछेगा कि हमारे नोटिस का क्या हुआ? I am coming to the notices given by every hon. Member.

...(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : प्रो. सौगत राय जी, आप इस पर अपने को एसोसिएट कर लीजिए।

PROF. SAUGATA ROY (DUM DUM): On this issue?

MADAM SPEAKER: Yes, you have given a notice on this issue, is not it?

PROF. SAUGATA ROY : Yes, Madam. I have given notices on both Adjournment Motion and for the 'Zero Hour', regarding the rape of a helpless photojournalists in Mumbai, in the campus of Mahalakshmi Mills by five persons; though two persons have been arrested, what is needed is an early justice because we know that the accused in the Delhi gang rape case have not yet been punished. So, even after the Parliament passed such a severe law against sexual offences, it seems that the culprits are not being deterred from carrying on their nefarious activities and wherever it happens, we condemn the same. ...(*Interruptions*) In West Bengal, we are more sensitive and you need not lecture us on that. We are more sensitive and everybody has been arrested in every incident in West Bengal.

Madam, again, I would bring it to the notice of the House that the situation is very terrible and everybody who has a girl child in the family is afraid of sending the girl out, especially after dark, if it can take place in the commercial Capital of the country, that too in the day-light hours, I do not know whether the law or the law enforcing agencies are being able to bring fear in the minds of the potential culprits. I also feel that there should be stricter control on illegal alcohol and drugs, because most of these crimes that are committed by people are under the influence of alcohol and drugs.

I again urge that strong action and quick justice be done in the case of the gang rape in Mumbai city.

MADAM SPEAKER:

Dr. Ratna De,

Shrimati Shatabdi Roy and

Shrimati Harsimrat Kaur Badal are allowed to associate with this issue.

श्रीमती जयाप्रदा (रामपुर): मैडम स्पीकर, आपने मुझे अपनी बात कहने का समय दिया, जिसके लिए मैं आपको धन्यवाद देती हूँ। मैडम, मैं आपकी नॉलेज में लाना चाहती हूँ और इस सदन को भी यह बताना चाहती हूँ कि जिस तरह निर्भया का जो मामला हुआ है, जो घटना घटी है, हम उसको अभी तक भूल नहीं पा रहे हैं। फिर से एक बार और इस तरह की जो घटना मुंबई में हुई है, उसमें 22 साल की फोटो जर्नलिस्ट के ऊपर अत्याचार हुआ है। 5 लोगों ने उसके साथ सामूहिक बलात्कार किया है। लेकिन अभी तक किसी एक्यूज़्ड को पकड़ नहीं पाए हैं। ...(व्यवधान) एक को पकड़ा है, बाकी लोगों को नहीं पकड़ा है।...(व्यवधान) एक को पकड़ा है।...(व्यवधान) ठीक है, बाकी तीन को नहीं पकड़ा है।...(व्यवधान)

मैडम, मैं आपसे यही बताना चाहती हूं।...(व्यवधान) एक मिनट मुझे बात करने दीजिए।...(व्यवधान) यह बहुत ही गंभीर मामला है। एक हो या दो हों, लेकिन हादसा तो हुआ है, उसके लिए मैं न्याय मांगने के लिए यहां पर खड़ी हूं। हम लोगों ने यह आश्वासन दिया है, मौजूदा सरकार सख्त कानून लेकर आई है और उनको मजबूत करने के लिए पूरी-पूरी कोशिश हुयी है। कई बार हमने इस पर बहस भी की है। उसी से हम लागों ने देश को भी यह आश्वासन दिया है कि आगे आइंदा इस तरह किसी महिला के ऊपर अत्याचार करने की कोई हिम्मत नहीं करेगा, लेकिन यह कहां तक रूकेगा, यह किसी को मालूम नहीं है। अगर हम एक फोटो जर्नलिस्ट को सेफ्टी का एहसास नहीं दिला पा रहे हैं, उनकी सुरक्षा नहीं कर पा रहे हैं, तो हमारे भारत देश में किसी लड़की को हम सुरक्षा नहीं दे सकते हैं।

आज मैं सरकार से यही मांग करना चाहती हूं कि हमारे बच्चे बाहर जाएंगे तो क्या वे सुरक्षित घर वापस आएंगे, वे नहीं आ सकते हैं, क्यों नहीं आ सकते हैं? अगर पुरूषों के साथ-साथ हमारे लिए भी बराबर की सहायता है तो हम उसी हक से मांगना चाहते हैं। आज उस जर्नलिस्ट के साथ क्या जुल्म हुआ है, वह हम देख रहे हैं। वह हास्पिटल में स्ट्रगल कर रही है। हम यह मांग कर रहे हैं कि दूसरों के ऊपर ऐसा न हो। किसी तरह का सख्त कानून न हो या उन्हें सजा नहीं मिल पाती है,

गुनहगार को समय पर नहीं पकड़ पाते हैं तो इससे उनकी हिम्मत बढ़ रही है। इसलिए मैं सदन के माध्यम से यह आश्वासन लाना चाहती हूं कि हमारे देश के सब बच्चे सुरक्षित रहें। आज हम यहां पर बात कर रहे हैं, लेकिन अगर आप लोग बाहर जाकर देखेंगे, दिल्ली सुरक्षित नहीं है, हम भी मुम्बई में रहने वाले हैं, हम बहुत अहसास करते थे कि मुम्बई बहुत सुरक्षित है, लेकिन आज उस अहसास के साथ मैं वहां जी नहीं सकती हूं। आज मैं आपके माध्यम से यह मांग करना चाहती हूं कि उस बच्ची के ऊपर जो जुल्म हुआ है, उन गुनहगारों को सख्त सजा दिलानी चाहिए। उस बच्ची के जीवन के लिए सरकार क्या आश्वासन देना चाहती है, मैं यह सरकार से सुनना चाहती हूं। इस सदन को मैं यह बताना चाहती हूं कि इस तरह के जो हादसे हो रहे हैं, जो एक्यूज्ड हैं, निर्भया केस में भी अभी तक कोई निर्णय नहीं ले पाये हैं, उन्हें अभी सजा नहीं मिली है। मैं आपसे अपील करती हूं कि उस बच्ची को न्याय दिलायें और अगर यहां से उसे न्याय नहीं मिल पायेगा तो दुनिया में किसी के साथ बात भी नहीं कर सकते हैं। मैं चाहती हूं कि उस जर्नलिस्ट के लिए, उनके जीवन के लिए सरकार की तरफ से रोजगार मिलना चाहिए, उनके जीवन के लिए जो भी उन्हें देना चाहते हैं, उनके जीवन भर के निर्धारित आधार के लिए एक करोड़ रूपये उनके बैंक एकाउंट में डालें, ताकि उनके जीवन में एक सुरक्षित अहसास आ सके ।

अध्यक्ष महोदया :

श्री अजय कुमार और

श्रीमती भावना पाटील गवली अपने आपको श्रीमती जयाप्रदा जी के विषय के साथ सम्बद्ध करते हैं।

â€¦(व्यवधान)

श्री अनंत कुमार (बंगलौर दक्षिण): महोदया, उस गैंग रेप के बारे में सरकार का जवाब क्या है?...(व्यवधान) सरकार उसके बारे में क्या कहना चाहती है?...(व्यवधान) Madam, the UPA Chairperson is present in the House....(*Interruptions*)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइये, मंत्री जी कुछ कह रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

शहरी विकास मंत्री तथा संसदीय कार्य मंत्री (श्री कमल नाथ): महोदया, इस सदन ने कुछ महीने पहले सख्त कानून पास किया था और इसमें कोई शक नहीं कि यह घटना गंभीर है, चिंताजनक है। हमने राज्य सरकार से रिपोर्ट मंगवाई है और परसों, अगर आपकी आज्ञा हो तो गृह मंत्री जी इस पर स्टेटमेंट देंगे।